# उत्तर प्रदेश के सुपर स्पेशयिलटिी ब्लॉक में मेडक्लिेम से मलिेगा कैशलेस इलाज

## चर्चा में क्यों?

24 अक्तूबर, 2022 को उत्तर प्रदेश के जीएसवीएम सुपर स्पेशयिलटिी पीजीआई के नोडल अधकिारी डॉ. मनीष सहि ने बताया कि राज्य में अब जीएसवीएम पीजीआई समेत 6 मेडकिल कॉलेजों में बनाए गए सुपर स्पेशयिलटिी ब्लॉकों में मेडक्लिेम से मरीजों को कैशलेस इलाज मलिेगा। इसके लयि राज्य शासन ने भी स्वीकृत प्रिदान कर दी है।

## प्रमुख बदिु

- नोडल अधकिारी डॉ. मनीष सहि ने बताया कि सुपर स्पेशयिलेटी ब्लॉकों को मौलाना आजाद मेडकिल कॉलेज नई दल्लिी के मॉडल पर चलाया जाएगा। इसके लयि मौलाना आज़ाद मेडकिल कॉलेज के ब्लू प्रटि का अध्ययन भी कयिा जा रहा है।
- सुपर स्पेशयिलटिी ब्लॉकों में मेडीक्लेम के मरीजों का इलाज करने के लयि टीपीए ब्लॉक भी बनाया जाएगा, ताकि मरीजों को मेडक्लिेम के लयि दौड़भाग न करनी पड़े।
- ज्ञातव्य है कि सुपर स्पेशयिलटिी ब्लॉक प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना के तहत बनाया गया है।
- राज्य में 6 मेडकिल कॉलेज कानपुर, आगरा, मेरठ, प्रयागराज, झाँसी गोरखपुर में बनाए गए है। जीएसवीएम सुपर स्पेशयिलटिी जीपीआई मेरठ, कानपुर और गोरखपुर में बनकर तैयार हो गया है और यहाँ पर मरीजों का सुपर स्पेशयिलटिी इलाज भी शुरू हो चुका है।
- डॉ. मनीष सहि ने बताया कि राज्य में अभी तक सब कुछ मेडकिल कॉलेजों के संसाधनों से संचालति कयिा जा रहा है। लेकनि आने वाले एक महीने में इन्हें सोसाइटी बनाकर चलाया जाएगा।
- वदिति है कि राज्य में अभी तक इन मेडकिल कॉलेजों को केजीएमयू-एसजीपीजीआई के मॉडल पर चलाने की तैयारी की जा रही थी, परंतु अब इन्हें राज्य शासन द्वारा मौलाना आज़ाद मेडकिल कॉलेज मॉडल पर चलाया जाएगा।
- जीएसवीएम पीजीआई में न्यूरो सर्जरी, न्यूरोलॉजी, गैस्ट्रो, नेप्रो की ओपीडी लगनी शुरू हो गई है तथा कुछ ही दनिों में यहाँ गैस्ट्रो सर्जरी, यूरो की भी ओपीडी और इनडोर को शुरू कयिा जाएगा।
- आने वाले पाँच सालों के लयि पीजीआई के मेंटीनेस का काम नरि्माण एजेंसी हाइड्स को सौंपा गया है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/mediclaim-will-provide-cashless-treatment-in-super-specialty-block-of-uttar-pradesh